>

Title: Regarding alleged misuse of income generated from historical monuments of Agra and need to take steps to save these monuments from pollution.

प्रो. रामशंकर (आगरा): माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए धन्यवाद। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि आगरा में प्रतिदिन 40 हजार से लेकर 80 हजार तक देसी और विदेशी पर्यटक जाते हैं, लेकिन वहां पर टूटी-फूटी सड़के हैं और वहां का जो नेशनल हाईवे है, उस पर देसी और विदेशी पर्यटक फंसा रहता है और उन्हें कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वहां पर जो एयरपोर्ट है वह एयरफोर्स का है और वहां से ताज की दूरी लगभग 10 किलोमीटर की है। ताज को देखने जब देसी और विदेशी मेहमान आते हैं तो इस 10 किलोमीटर के बीच के क्षेत्र में जो ग्रामीण क्षेत्र है, उसके तीन तहसीलों के लोग और शहर की लगभग 5 लाख की आबादी आती है और जब वीआईपी और वीवीआईपी लोग आते हैं तो इनके आने के एक घंटा पहले और जाने तक दोनों तरफ से रोड बंद कर दिया जाता है, जिसके कारण स्कूल में जाने वाले बच्चे और ग्रामीण क्षेत्र से आने वाली जनता वहां फंसकर खड़ी रहती है और बड़ी-बड़ी लम्बी कतारें वाहनों की लग जाती हैं। महोदया, मैं आपसे निवेदन करूंगा कि वहां जो स्कूल के बच्चों, ग्रामीण क्षेत्र से आने वाली जनता और देसी-विदेशी मेहमानों को समस्या आती है, उसे किसी प्रकार से हल करने की कृपा करें।